

FIRST INFORMATION REPORT
Under Section 173 B.N.S.S.

(प्रथम सूचना रिपोर्ट)
अंतर्गत धारा 173 बी. एन. एस. एस.

1. District (जिला): ACB DISTRICT P.S. (थाना): C.P.S Jaipur Year (वर्ष): 2024
2. FIR No. (प्र.सू.रि.सं): 0146 Date and Time of FIR (एफआईआर की तिथि/समय): 19/07/2024 17:31 बजे

| S.No. (क्र.सं.) | Acts (अधिनियम) | Sections (धाराएँ) |
|-----------------|--|-------------------|
| 1 | भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 के अधिनियम संख्या 16 द्वारा संशोधित) | 7 |

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):

1. Day(दिन): दरमियानी दिन Date From (दिनांक से): 26/06/2024 Date To (दिनांक तक): 18/07/2024
- Time Period (समय अवधि): पहर Time From (समय से): 19:30 बजे Time To (समय तक): 14:58 बजे

- (b) Information received at P.S. (थाना जहाँ सूचना प्राप्त हुई): Date (दिनांक): 19/07/2024 Time (समय): 16:00 बजे

- (c) General Diary Reference (रोजनामचा संदर्भ) : Entry No. (प्रविष्टि सं.): 002 Date & Time (दिनांक एवं समय): 19/07/2024 17:31:42 बजे

4. Type of Information (सूचना का प्रकार): लिखित

5. Place of Occurrence (घटनास्थल):

1. (a) Direction and distance from P.S. (थाने से दिशा और दूरी): SOUTH-EAST, 90 किमी Beat No. (बीट सं.): NOT APPLICABLE

(b) Address(पता): NAGAR PALIKA AJITGADH, NEEMKATHANA

(c) In case, outside the limit of this Police Station, then (यदि थाना सीमा के बाहर हैं तो)

Name of P.S (थाना का नाम): District(State) (जिला (राज्य)):

6. Complainant / Informant (शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता):

(a) Name(नाम): MOHANLAL JAT

(b) Father's Name (पिता का नाम): RAGHUNATH PRASAD

(c) Date/Year of Birth (जन्म तिथि/ वर्ष): 1984

(d) Nationality(राष्ट्रीयता): INDIA

(e) UID No(यूआईडी सं.):

(f) Passport No. (पासपोर्ट सं.):

Date of Issue

Place of Issue

(जारी करने की तिथि):

(जारी करने का स्थान):

(g) Id details (Ration Card, Voter ID Card, Passport, UID No., Driving License, PAN) (पहचान विवरण(राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पारपत्र, आधार कार्ड सं., ड्राइविंग लाइसेंस, पैन)):

| S.No. | Id Type | Id Number |
|-------|---------|-----------|
|-------|---------|-----------|

(h) Occupation (व्यवसाय):

(i) Address(पता):

| S.No. (क्र. सं.) | Address Type (पता का प्रकार) | Address (पता) |
|------------------|------------------------------|--|
| 1 | वर्तमान पता | MURLIPURA DHANOTA, AMARSAR, JAIPUR RURAL, RAJASTHAN, INDIA |
| 2 | स्थायी पता | MURLIPURA DHANOTA, AMARSAR, JAIPUR RURAL, RAJASTHAN, INDIA |

(j) Phone number (दूरभाष न.):

Mobile (मोबाइल न.):

7. Details of known/suspected/unknown accused with full particulars

(ज्ञात/संदिग्ध/अज्ञात अभियुक्त का पुरे विवरण सहित वर्णन):

Accused More Than(अज्ञात आरोपी एक से अधिक हो तो संख्या):

| S.No. (क्र.सं.) | Name (नाम) | Alias (उपनाम) | Relative's Name (रिश्तेदार का नाम) | Address (पता) |
|-----------------|----------------|---------------|------------------------------------|---|
| 1 | PARMVEER DULAR | | पिता:RAMKUMAR SINGH | 1. HANUMANPURA, MANDAWA, JH UNJHUNU, RAJASTHAN, INDIA |

8. Reasons for delay in reporting by the complainant/informant

(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता द्वारा रिपोर्ट देरी से दर्ज कराने के कारण):

9. Particulars of properties of interest (Attach separate sheet, if necessary)

(सम्बन्धित सम्पत्ति का विवरण(यदि आवश्यक हो, तो अलग पृष्ठ नत्थी करें)):

| S.No. (क्र.सं.) | Property Category (सम्पत्ति श्रेणी) | Property Type (सम्पत्ति के प्रकार) | Description (विवरण) | Value(In Rs/-) (मूल्य(रु में)) |
|-----------------|-------------------------------------|------------------------------------|---------------------|--------------------------------|
| 1 | सिक्के और मुद्रा | रुपये | | 1,25,000.00 |

10. Total value of property stolen(In Rs/-)
(चोरी हुई संपत्ति का कुल मूल्य(रु में)): 1,25,000.00

11. Inquest Report / U.D. case No., if any (मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट / यू.डी.प्रकरण न., यदि कोई हो):

| S.No. (क्र.सं.) | UIDB Number (यू.आई.डी.बी. संख्या) |
|--------------------|--------------------------------------|
|--------------------|--------------------------------------|

12. First Information contents (Attach separate sheet, if necessary)

(प्रथम सूचना तथ्य(यदि आवश्यक हो, तो अलग पृष्ठ नत्थी करे)):

सेवामें, श्रीमान् उप अधीक्षक पुलिस, एसीबी सीकर विषय- रिश्त लेते हुये रंगे हाथों पकडवाने बाबत। महोदय, निवेदन है कि मैं मोहनलाल जाट पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद, जाति जाट, उम्र-40 वर्ष, निवासी गांव मूरलीपुरा धानोता, पुलिस थाना अमरसर जिला जयपुर का निवासी हूँ। मैंने व मेरे साथी श्री गोपाल, श्री कानाराम, श्री बंशीधर, श्रीमती सूरजी देवी ने मिलकर कुशमपुरा मौहल्ला, कस्बा अजीतगढ जिला नीमकाथाना में करीब 7 बीघा जमीन कोलोनी काटने के लिये खरीदी थी। हमारी उक्त जमीन के संबंध में सरकारी विभागों से नियमानुसार कानूनी कार्यवाही हेतु मैं पैरवी कर रहा हूँ। उक्त जमीन में मेरे नाम जमीन के खसरा नम्बर 2855/2814 है। उक्त सम्पूर्ण जमीन का हमने तहसील कार्यालय श्रीमाधोपुर से नियमानुसार आवासीय भू-रूपान्तरण करवा लिया था। उस वक्त अजीतगढ कस्बे में ग्राम पंचायत थी, जो बाद में नगरपालिका बन गई थी। उक्त भूमि में कालोनी काटने के लिये एनओसी प्राप्त करने के लिये नगरपालिका अजीतगढ में दिनांक 14.03.2024 को 1,71,000 रूपये जमा करवा दिये थे, जिस पर नगरपालिका अजीतगढ ने अपने कार्यालय के पत्रांक 217 दिनांक 17.05.2024 से हमें उक्त भूमि के संबंध में अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया। इसके बाद हम जब उक्त भूमि पर रोड़ आदि बनाने लगे तो नगरपालिका अजीतगढ द्वारा हमें रोक दिया गया और कहा कि जब तक हम उक्त भूमि का ले-आउट प्लान अनुमोदित नहीं करवायेगे तब तक यहाँ पर कालोनी नहीं काट सकते। इस पर मैं नगरपालिका अजीतगढ में जाकर वहाँ के अधिशाषी अधिकारी श्री परमवीर से मिला तो उन्होने मुझसे हमारी भूमि के बारे में व हम पार्टनर के बारे में पूछताछ कर मुझे कहा कि इस भूमि का ले-आउट प्लान की फाईल श्री मनोज कुमार चौधरी, सामोद रोड, चौमू से तैयार करवालो जिसके फोन नम्बर बताये। और कहा कि ले-आउट की फाईल अनुमोदित करने के लिये आपको मुझे 2,00,000 रूपये मेरे स्वयं के तथा नगरपालिका अजीतगढ की चैयरमैन श्रीमती सन्तोष के लिये देने पडेगें, तब तुम्हारा ले-आउट प्लान पास होगा। इस पर मैंने उनसे रूपये कम करने की प्रार्थना की तो उन्होने कहा कि इतने रूपये तो देने ही होंगे। मैं मेरे जायज कार्य के लिये ईओ श्री परमवीर एवं चैयरमैन श्रीमती सन्तोष के लिये कोई रिश्त नहीं देना चाहता हूँ, बल्कि उनके खिलाफ एसीबी से कार्यवाही करवाना चाहता हूँ। मेरा ईओ श्री परमवीर, चैयरमैन सन्तोष से कोई रंजीश नहीं है ना ही इन लोगों से मेरा कोई लेनदेन है। दिनांक- 26.06.2024 प्रार्थी मोहनलाल जाट पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद, जाति जाट, उम्र-40 वर्ष, निवासी गांव मूरलीपुरा धानोता, पुलिस थाना अमरसर जिला जयपुर, मोबाईल नम्बर , एसडी-रवीन्द्र सिंह उप अधीक्षक पुलिस, कार्यवाही आरम्भ की जाती है, 26.06.2024, एसडी-मनेश कुमार, दिनांक 18.07.24, एसडी-कुलदीप यादव, 18.07.24 कार्यवाही पुलिस 26.06.2024 07.30 पीएम दर्ज रहे कि परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने जरिये दूरभाष मन् रवीन्द्र सिंह उप अधीक्षक पुलिस को नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना के ईओ एवं चैयरमैन द्वारा ले-आउट प्लान पास करवाने की एवज में रिश्त की मांग करना बताते हुये उनको रंगे हाथों पकडवाने की कही। परिवादी ने मन् उप अधीक्षक पुलिस को कस्बा हाडोता चौमू उपस्थित होकर अग्रिम कार्यवाही करवाने की कही। जिस पर परिवादी को मुनासिब हिदायत दी जाकर मन् उप अधीक्षक पुलिस रवीन्द्र सिंह मय श्री राजेन्द्र प्रसाद एचसी नं. 87, श्री दलीप कुमार कानि. नं. 10, श्री सुरेशचन्द कानि. चालक मय डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के, लैपटॉप, प्रिन्टर आदि के जरिये सरकारी वाहन के कार्यालय से समय 6.00 पीएम पर रवाना होकर परिवादी के बतायेनुसार इस समय कस्बा चैमू में हाडोता मोड स्थित श्याम होटल के पास पहुँचा, जहाँ पर परिवादी मोहनलाल जाट पुत्र श्री रघुनाथ प्रसाद, जाति जाट, उम्र-40 वर्ष, निवासी गांव मूरलीपुरा धानोता, पुलिस थाना अमरसर जिला जयपुर उपस्थित मिला। परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने मन् उप अधीक्षक पुलिस के समक्ष उक्त टाईप शुदा प्रार्थना पत्र मय स्वयं के नाम की एक जमाबंदी की फोटो प्रति, नगरपालिका अजीतगढ की एनओसी की फोटो प्रति व नगरपालिका अजीतगढ की एक रसीद की फोटो प्रति प्रस्तुत की, जिस पर मन् उप अधीक्षक पुलिस मय हमराहीयान व परिवादी को लेकर परिवादी के परिचित श्याम होटल के अन्दर पहुँचा। मजिद दरियाफ्त पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने प्रार्थना पत्र अपने परिचित से टाईप करवाना बताया और प्रार्थना पत्र पर अपने हस्ताक्षर होना व प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों का सही होना बताते हुये श्री परमवीर ईओ, चैयरमैन श्रीमती सन्तोष से पहले की कोई रंजीश अथवा उधार लेनदेन नहीं होना बताया। प्रार्थना पत्र में अंकित तथ्यों से प्रथम दृष्टया मामला रिश्त लेन-देन का पाया जाने पर कार्यालय का डिजिटल वाईस रिकार्डर मय मेमोरी कार्ड के चालू व बन्द करने की विधि परिवादी श्री मोहनलाल जाट को समझाई गई। रिश्त मांग सत्यापन कार्यवाही में

परिवादी के साथ जाने वाले श्री दलीप कुमार कानि. नं. 10 से परिवादी श्री मोहनलाल जाट का आपस में परिचय करवाकर हर दोनों को समझाईस की गई। परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने कल दिनांक 27.06.2024 को ईओ परमवीर से रिश्त के संबंध में बातचीत करने की कही। इस पर मन् उप अधीक्षक पुलिस ने कल दिनांक 27.06.2024 को रिश्त मांग सत्यापन की कार्यवाही हेतु डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के श्री दलीप कुमार कानि. के साथ कस्बा अजीतगढ भिजवाने की कही। आईन्दा रिश्त की मांग का गोपनीय सत्यापन करवाया जावेगा। परिवादी श्री मोहनलाल जाट को मुनासिब हिदायत देकर रूखसत कर मन् उप अधीक्षक पुलिस मय हमराहीयान के रवाना होकर एसीबी कार्यालय सीकर पहुँचा। मन् उप अधीक्षक पुलिस को दिनांक 27.06.2024 को शहादत हेतु दौसा जाने के मध्यनजर रिश्त मांग सत्यापन हेतु कार्यालय की डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के श्री दलीप कुमार कानि. को सुपुर्द कर मुनासिब हिदायत दी गई थी। तत्पश्चात दिनांक 29.06.2024 को समय 10.00 एएम पर मन् उप अधीक्षक पुलिस के बाद शहादत उपस्थित कार्यालय आने पर श्री दलीप कुमार कानि. ने मन् उप अधीक्षक पुलिस के समक्ष डीवीआर मय मेमोरी कार्ड सुपुर्द कर बताया कि " दिनांक 27.06.2024 को समय 10.00 एएम पर कार्यालय से डीवीआर मय मेमोरी कार्ड लेकर कस्बा अजीतगढ के लिये रवाना हुआ था। समय करीब 12.30 पीएम पर कस्बा अजीतगढ में बस स्टेण्ड पर पहुँचा, जहाँ पर परिवादी मोहनलाल जाट उपस्थित मिला, परिवादी के चाहेनुसार हम दोनों कस्बा अजीतगढ बस स्टेण्ड से रवाना होकर नगरपालिका अजीतगढ के पास पहुँचे जहाँ परिवादी ने अपने स्तर पर मालूमात किया तो श्री परमवीर ईओ का कार्यालय में नहीं होना ज्ञात हुआ, जिस पर हम दोनों नगरपालिका के पास इन्तजार में मुकिम हुये। समय करीब 4.00 पीएम तक श्री परमवीर ईओ के कार्यालय में आने का इन्तजार किया गया उसके बाद परिवादी ने बताया कि मैंने अपने सूत्रों से मालूमात किया है कि अब श्री परमवीर ईओ नगरपालिका में नहीं आयेगा। परिवादी ने आईन्दा सत्यापन करवाने की कही, जिस पर परिवादी को कस्बा अजीतगढ में ही छोडा जाकर मैं कस्बा अजीतगढ से रवाना होकर समय 6.00 पीएम पर उपस्थित कार्यालय आया था। डीवीआर मय मेमोरी कार्ड को अपनी आलमारी में सुरक्षित रखा। तत्पश्चात दिनांक 01.07.2024 को परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने जरिये दूरभाष मन् उप अधीक्षक से सम्पर्क कर रिश्त मांग के गोपनीय सत्यापन हेतु कार्यालय की डीवीआर कस्बा अजीतगढ में भिजवाने तथा श्री परमवीर ईओ से वार्तालाप करने की कही, जिस पर कार्यालय की डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के श्री दलीप कुमार कानि. को सुपुर्द कर परिवादी के चाहेनुसार रिश्त की मांग के गोपनीय सत्यापन हेतु परिवादी के पास अजीतगढ रवाना किया जाकर मुनासिब हिदायत दी गई। उसी दिन श्री दलीप कुमार कानि. एसीबी कार्यालय में उपस्थित होकर कार्यालय का डीवीआर मय मेमोरी कार्ड मन् उप अधीक्षक पुलिस को सुपुर्द कर बताया कि " कार्यालय से रवाना होकर मैं कस्बा अजीतगढ बस स्टेण्ड पहुँचे जहाँ परिवादी श्री मोहनलाल जाट उपस्थित मिला, जहाँ हम दोनों बस स्टेण्ड से रवाना होकर अजीतगढ नगरपालिका के पास पहुँचे जहाँ परिवादी ने अपने स्तर पर श्री परमवीर ईओ के बारे में मालूमात किया तो उसका नगरपालिका में नहीं होना पता चला। उसके बाद हम दोनों नगरपालिका के पास ही ईओ के इन्तजार में मुकिम हुये। समय करीब 6.00 पीएम तक ईओ का इन्तजार करने के बाद भी ईओ के नगरपालिका नहीं आने पर परिवादी मोहनलाल ने आईन्दा रिश्त मांग का गोपनीय सत्यापन करवाने की कही, जिस पर परिवादी को कस्बा अजीतगढ में ही छोडा जाकर मैं कस्बा अजीतगढ से रवाना होकर उपस्थित कार्यालय आया हूँ।" मन् उप अधीक्षक पुलिस ने डीवीआर मय मेमोरी कार्ड को अपनी आलमारी में सुरक्षित रखा। तत्पश्चात दिनांक 08.07.2024 को परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने जरिये दूरभाष मन् उप अधीक्षक से सम्पर्क कर रिश्त मांग के गोपनीय सत्यापन हेतु कार्यालय की डीवीआर कस्बा अजीतगढ में भिजवाने तथा श्री परमवीर ईओ से वार्तालाप करने की कही, जिस पर कार्यालय का डीवीआर मय मेमोरी कार्ड मन् उप अधीक्षक पुलिस ने अपनी आलमारी से निकालकर श्री दलीप कुमार कानि. को सुपुर्द कर परिवादी श्री मोहनलाल जाट के चाहेनुसार रिश्त की मांग के गोपनीय सत्यापन हेतु परिवादी के पास अजीतगढ रवाना किया गया। उसी दिन श्री दलीप कुमार कानि. ने कार्यालय में उपस्थित होकर डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के मन् उप अधीक्षक पुलिस को सुपुर्द कर बताया कि "कार्यालय से रवाना होकर कस्बा अजीतगढ पहुँचा जहाँ बस स्टेण्ड अजीतगढ पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट उपस्थित मिला, जहाँ परिवादी के नगरपालिका चलने की कहने पर हम दोनों नगरपालिका अजीतगढ की तरफ पैदल-पैदल रवाना हुये तब समय करीब 5.00 पीएम पर बस स्टेण्ड अजीतगढ के पास मुख्य सड़क पर जोशी ऑयल मील के पास एक सफेद मारुती डिजायर गाडी नम्बर आरजे-18 सीसी 6992 खडी दिखाई दी, तब परिवादी मोहनलाल जाट ने उस गाडी में चालक सीट पर ईओ परमवीर के बैठे होने की कही, जिस पर परिवादी के चाहेनुसार मैंने डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के चालू कर परिवादी को सुपुर्द कर दिया, परिवादी उस डिजायर गाडी की तरफ रवाना होकर गाडी के चालक सीट की तरफ जाकर खडा हो गया और चालक सीट पर बैठे व्यक्ति से बाते करने लग गया। परिवादी श्री मोहनलाल जाट व कार में चालक सीट पर बैठे व्यक्ति को आपस में वार्ता करते हुये मैं कुछ दूरी पर खडा होकर देख रहा था। कुछ देर पश्चात डिजायर गाडी के रवाना होने पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट मेरे पास आया और मुझे डीवीआर सुपुर्द किया, जिसे मैंने बन्द कर अपने पास सुरक्षित रख लिया। परिवादी ने मुझे बताया कि ईओ श्री परमवीर मुझसे दो लाख रूपयों की मांग कर डेढ लाख रूपये लेने पर सहमत हुआ है। मैंने ईओ श्री परमवीर द्वारा मेरे से रिश्त मांगने की वार्ता डीवीआर में रिकार्ड कर ली है, अब मैं रिश्त में दिये जाने वाले डेढ लाख रूपयों की व्यवस्था कर आपके कार्यालय में उपस्थित होने की कही। डीवीआर को मन् उप अधीक्षक पुलिस ने

सरसरी तौर पर सुना गया तो आरोपी ईओ द्वारा परिवादी श्री मोहनलाल जाट से डेढ लाख रूपये बतौर रिश्त लेने पर सहमत होने की पुष्टि हुई। डीवीआर मय मेमोरी कार्ड के मन् उप अधीक्षक पुलिस ने अपनी आलमारी में सुरक्षित रखा। तत्पश्चात दिनांक 16.07.2024 को परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने जरिये दूरभाष मन् उप अधीक्षक पुलिस को रूपयों की व्यवस्था कर दिनांक 18.07.2024 को श्री परमवीर ईओ के विरूद् अग्रिम ट्रेप कार्यवाही करवाने की कही। दिनांक 18.07.2024 को कार्यालय सहायक श्रम आयुक्त, श्रम विभाग सीकर से स्वतंत्र गवाहान श्री मनेश कुमार सहायक प्रोग्रामर एवं श्री कुलदीप यादव श्रम निरीक्षक को तलब किया गया। परिवादी श्री मोहनलाल जाट के उपस्थित कार्यालय आने पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने मन् उप अधीक्षक पुलिस को बताया कि "मेरे पास 1,50,000 रूपयों की व्यवस्था नहीं हुई है, परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने आरोपी ईओ को रिश्त के रूप में 1,25,000 रूपये ही देने की कही। कार्यालय में मौजूद स्वतंत्र गवाहान श्री मनेश कुमार सहायक प्रोग्रामर एवं श्री कुलदीप यादव का परिवादी श्री मोहनलाल जाट व ब्यूरो स्टाफ का आपस में परिचय करवाया जाकर दोनों स्वतंत्र गवाहान से ट्रेप कार्यवाही में स्वतंत्र गवाह रहने हेतु सहमति प्राप्त की गई। परिवादी श्री मोहनलाल जाट द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दोनों स्वतंत्र गवाहान को पढकर सुनाया जाकर प्रार्थना पत्र पर दोनों स्वतंत्र गवाहान के हस्ताक्षर करवाये गये। तत्पश्चात परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने हिदायत देने पर संदिग्ध आरोपी श्री परमवीर ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला सीकर को रिश्त के रूप में दिये जाने वाले नोट पांच-पांच सौ रूपये के 250 नोट कुल 1,25,000 रूपये पेश किये जिनके नम्बर निम्नानुसार है- 1. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 LQ784565 2. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 EC 206897 3. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 MS 226436 4. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 NM 514815 5. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 1 KD 277074 6. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 1 WA700306 7. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 6 QM 418020 8. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 AM 199541 9. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 DD 843171 10. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 CP 999660 11. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 9 CM 880737 12. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 KG 399691 13. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 HF 497842 14. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 HP 382492 15. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 8 EF 744869 16. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 2 PD 544253 17. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 RS 052311 18. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723595 19. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723899 20. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723903 21. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 1 AW 760104 22. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 KK 599346 23. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 BL 318387 24. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 KL 934543 25. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 6 NK 998687 26. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 GK 945925 27. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 AG 518070 28. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723666 29. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 2 PM 298187 30. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723603 31. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723604 32. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 8 RS 644197 33. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723918 34. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723919 35. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 VW 723921 36. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 6 KA 116235 37. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 KM 297322 38. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 8 KS 033467 39. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 4 KC 083577 40. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 MA 360507 41. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 QB 556965 42. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 PE 712665 43. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 FE 391436 44. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 MR 194277 45. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 0 QW 268213 46. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 2 AN 525462 47. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 GT 896146 48. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 LA 404799 49. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 6 QC 504307 50. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 9 AR 381475 51. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 RP 184025 52. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 9 NF 852127 53. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 3 PC 502887 54. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 1 FQ 049636 55. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 EE 957702 56. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 6 GW 537915 57. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 2 CK 507815 58. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 QT 405077 59. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 1 BP 126913 60. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 0 TB 969566 61. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 UL 887086 62. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 7 HQ 799052 63. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 9 WG 523459 64. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 9 QE 198433 65. एक नोट पाँच सौ रूपये का नम्बरी नम्बर 5 PL 050785 66. एक नोट पाँच सौ रूपये

पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 0 WC 819959 246. एक नोट पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 7 VA 162343 247. एक नोट पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 1 DT 019532 248. एक नोट पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 1 PW 058145 249. एक नोट पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 6 CD 357409 250. एक नोट पाँच सौ रुपये का नम्बरी नम्बर 2 VW 900641 फिनापथलीन पाउडर की शीशी कार्यालय की आलमारी से श्रीमती सुशीला महिला कानि. नं. 107 से निकलवाकर उपरोक्त समस्त नोटों को कार्यालय में टेबल पर अखबार बिछाकर श्रीमती सुशीला महिला कानि. नं. 107 से हस्ब कायदा फिनोपथलीन पाऊडर लगवाया जाकर गवाह श्री मनेश कुमार से परिवादी श्री मोहनलाल जाट की जामा तलाशी लिवाई जाकर उसके पास उसके मोबाईल फोन के अलावा कोई वस्तु नहीं रहने दी गई। फिनोपथलीन पाऊडर लगे 1,25,000 रूपयों के नोटों को श्रीमती सुशीला महिला कानि. नं. 107 से परिवादी श्री मोहनलाल जाट की पहनी हुई पेन्ट की सामने की दाहिनी जेब में रखवाकर परिवादी श्री मोहनलाल जाट को रास्ते में इन रूपयों को नहीं छुने व मिलने पर आरोपी से हाथ नहीं मिलाने एवं आरोपी से अपने काम के संबंध में बात करने तथा आरोपी द्वारा मांग किये जाने पर स्वयं की जेबों में रखे पाऊडर लगे उक्त रूपये निकालकर उसे देने तथा आरोपी द्वारा रिश्तत स्वीकार कर प्राप्त कर लेने के बाद अपने सिर पर हाथ फेरकर अथवा अपने मोबाईल फोन नम्बर _____ से मन् उप अधीक्षक पुलिस के मोबाईल नम्बर _____ पर मिस कॅाल देकर ईशारा करने की हिदायत दी गई। इसके बाद श्री अशोक कुमार एचसी नं. 76 से एक प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास में साफ पानी भरवाकर उसमें थोड़ा सोडियम कार्बोनेट पाऊडर डलवाकर घोल तैयार करवाया गया तो पानी का रंग नहीं बदला इस घोल में श्रीमती सुशीला महिला कानि. नं. 107, जिसने नोटो पर फिनोपथलीन पाऊडर लगाया, के दाहिने हाथ की अंगुलियों को डूबोकर धुलवाया गया तो घोल का रंग गुलाबी हो गया। इस प्रकार प्रदर्शन करवाकर दोनो पाऊडरों फिनोपथलीन एवं सोडियम कार्बोनेट की आपसी रासायनिक प्रतिक्रिया व महत्व परिवादी श्री मोहनलाल जाट व दोनों स्वतंत्र गवाहान को समझाया गया। फिनोपथलीन पाऊडर की शीशी गवाहान की मौजूदगी में श्रीमती सुशीला महिला कानि. नं. 107 से कार्यालय की आमलारी में रखवाई गई। श्री अशोक कुमार एचसी से प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास के घोल को फिंकवाकर प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास एवं अखबार जिस पर रूपयों पर फिनोपथलीन पाऊडर लगवाया था, को जलाकर नष्ट कराया गया। परिवादी श्री मोहनलाल जाट, दोनो गवाहान एवं ट्रेप पार्टी के सभी सदस्यों के हाथ साफ पानी व साबुन से धुलवाये गये। ट्रेप कार्यवाही में धोवन हेतु काम में लिये जाने हेतु प्लास्टिक के डिस्पोजल गिलास कुल नग 10 व कांच की शीषियों को साफ पानी व साबुन से धुलवाकर साफ करवाते हुये ट्रेप बोक्स तैयार करवाया गया। गवाहान व ट्रेप पार्टी सदस्यों की आपस में जामा तलाशी लिवायी जाकर किसी के पास कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं रहने दी गयी। ट्रेप पार्टी के सभी सदस्यों को गोपनीयता बनाये रखने व तय ईशारे बाबत समझाईश कर मुनासिब हिदायत दी गयी। कार्यालय की डीवीआर मय दूसरा मेमोरी कार्ड को खाली होना सुनिश्चित कर उक्त डीवीआर मय मेमोरी कार्ड रिश्तत के लेन देन के समय होने वाली बातचीत को सावधानी पूर्वक टेप करने हेतु परिवादी श्री मोहनलाल जाट को सुपुर्द कर मुनासिब हिदायत दी गई। इस कार्यवाही की विस्तृत फर्द पेशकसी व सुपुर्दगी नोट प्रथक से तैयार की गई। कार्यालय में की जाने वाली कार्यवाही पूर्ण कर 12.30 पीएम पर मन् उप अधीक्षक पुलिस रवीन्द्र सिंह मय परिवादी श्री मोहनलाल जाट, स्वतंत्र गवाह श्री कुलदीप यादव, श्री मनेश कुमार, स्टाफ के श्री दलीप कुमार कानि नं. 10 जरिये परिवादी के वाहन से तथा स्टाफ के श्रीमती सुनिता एचसी नं. 43, श्रीमती मंजू महिला कानि. नं. 483, श्री रामनिवास कानि. नं. 485, श्री राजेन्द्र प्रसाद एचसी नं. 87, श्री कैलाशचन्द कानि. नं. 568 जरिये प्राईवेट वाहन से तथा श्री सुभाषचन्द एएसआई, श्री मूलचन्द हैड कानि. 123, श्री कैलाशचन्द कानि. नं. 386, श्री अमित कुमार, कनिष्ठ सहायक, श्री सुरेशचन्द कानि. चालक नं. 60 जरिये सरकारी वाहन बोलेरो के मय रिश्तत मांग सत्यापन वार्ता दिनांक 08.07.2024 का मेमोरी कार्ड, ट्रेप बाक्स एवं लैपटॉप मय प्रिन्टर साथ लेकर एसीबी कार्यालय से रवाना होकर समय 2.10 पीएम पर नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना के पास पहुँचा जहां परिवादी श्री मोहनलाल जाट को नगरपालिका अजीतगढ के लिये पैदल-पैदल रवाना किया जाकर मन् उप अधीक्षक पुलिस मय हमराहीयान के नगरपालिका के सामने मुख्य सड़क पर ही वाहनों में मुकिम हुआ। समय 2.58 पीएम पर जरिये मोबाईल फोन कॅाल आने का तय ईशारा प्राप्त होने पर मन् उप अधीक्षक पुलिस मय स्वतंत्र गवाहान मय हमराहीयान ट्रेप पार्टी को ईशारे से साथ लेते हुये परिवादी के बतायेनुसार नगरपालिका अजीतगढ में कॅानर पर बने स्टोर/भूमि शाखा के मुख्य दरवाजे पर पहुँचा, जहां उक्त रूम के गेट पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट खड़ा मिला, जिसने डीवीआर मन् उप अधीक्षक पुलिस को सुपुर्द किया। डीवीआर को मन् उप अधीक्षक पुलिस ने बन्द कर सुरक्षित अपने पास रख लिया। परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने स्टोर/भूमि शाखा में सामने कुर्सी पर बैठे व्यक्ति की तरफ ईशारा कर बताया कि "यही परमवीर जी ईओ है, जिन्होंने अभी-अभी मेरे से रिश्तती राशि के 1,25,000 रूपये लेकर अपने हाथों से सरसरी तौर पर गिनकर अपनी पहनी हुई पेन्ट की सामने की दाहिनी जेब में रखे है" जिस पर मन् उप अधीक्षक पुलिस ने कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को अपना व हमराहीयान का परिचय देते हुये उससे परिचय एवं परिवादी से रिश्तत लेने बाबत पूछा तो उसने अपना नाम श्री परमवीर दुलार पुत्र श्री रामकुमार सिंह, जाति जाट, उम्र-56 वर्ष, निवासी हनुमानपुरा, पुलिस थाना मण्डावा जिला झुंझुनू हाल ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना होना बताते हुये कहा कि "इन्होंने कहा कि मैं कहीं जाकर आ रहा हूँ, आप एक बार रखलो" मौके पर मौजूद परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने आरोपी श्री

परमवीर दुलार ईओ के कथनों का खण्डन करते हुये बताया कि "ये झूठ बोल रहे हैं, रिश्तत मांग सत्यापन के समय दिनांक 08.07.2024 को मैंने बस स्टेण्ड अजीतगढ के पास इनसे बात की तो इन्होंने मेरे ले-आउट प्लान को अनुमोदन करने के लिये दो लाख रुपये देने की कही, तब मैंने इनको डेढ लाख रुपये देने की कही थी, आज इनके चेम्बर में आया तो इनके चेम्बर में श्रीमती सन्तोष देवी चैयरमैन के पुत्र श्री सुनिल भी बैठे थे, तब ईओ साहब ने कहा कि चैयरमैन जी का क्या लफडा है, इसको सलटाओ, तब श्री सुनिल जी ने गोपाल व हेमराज टाटला से बात करने की कही, श्री गोपाल जी दूषाद एवं श्री हेमराज टाटला ने पहले कस्बा अजीतगढ में कॅम्पलेक्श का निर्माण करवाया था, तब उन्होने चैयरमैन को रिश्तत के रूपये नहीं दिये थे, अब उक्त श्री गोपाल दूषाद मेरी कॅालोनी में पार्टनर है, मैंने सुनिल जी के कहने पर श्री हेमराज टाटला के मोबाईल नम्बर पर मेरे मोबाईल नम्बर से कॅाल लगाकर श्री हेमराज टाटला से श्री सुनिल जी की बात कराई तो सुनिल जी ने उनको कहा कि अपनी कितनी में बात हुई थी, तब श्री हेमराज ने कहा कि आपको 5 देने के लिये बोला था, तब सुनिल जी ने पहले कॅम्पलेक्श के पैसे देने की कहते हुये कॅालोनी के पैसे बाद में देने की कही, तब मैंने ईओ साहब को कॅालोनी एवं कॅम्पलेक्श के लिये पैसे एक जगह ही करने की कही, तो श्री सुनिल जी ने कहा कि कॅालोनी के पैसे आपको ईओ साहब बता देंगे, फिर मैंने ईओ साहब को 1,25,000 रूपये रिश्तती राशि के देना चाहा तो ईओ साहब मुझे स्टोर/भूमि शाखा में ले गये, पीछे-पीछे श्री सुनिल भी आ गये, फिर मैंने श्री परमवीर जी ईओ को रिश्तती राशि के 1,25,000 रूपये दे दिये तब इन्होंने कहा कि दो लाख रूपयों की बात हुई थी, तब मैंने इनको 75,000 रूपये बाद में देने की कही।" रिश्तत लेनदेन की पुष्टि होने पर आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ का दाहिना हाथ श्री रामनिवास कानि. 485 से एवं बाया हाथ श्री दलीप कुमार कानि. नं. 10 से कलाईयो के उपर से पकड़वाये गये। स्टोर/भूमि शाखा में कुर्सी पर बैठे दूसरे व्यक्ति को मन् उप अधीक्षक पुलिस ने अपना व हमराहीयान का परिचय देते हुये उससे परिचय एवं परिवादी श्री मोहनलाल जाट से श्री परमवीर दुलार ईओ के मार्फत रिश्तत लेने बाबत पूछा तो उसने अपना नाम सुनिल पुत्र श्री प्रह्लाद अग्रवाल जाति महाजन, उम्र-36 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 16 अजीतगढ जिला नीमकाथाना होना बताते हुये कहा कि "इस मामले से मेरा कोई लेना देना नहीं है, मैं मोहनलाल को नहीं जानता हूं ना ही यह आज से पहले मेरे से मिला है व ना ही इसका मेरे पास कोई फोन आया है" मौके पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने श्री सुनिल के कथनों का खण्डन करते हुये बताया कि "मैंने इनके कहने पर श्री हेमराज टाटला के मोबाईल नम्बर पर मेरे मोबाईल नम्बर

से कॅाल लगाकर श्री हेमराज टाटला से श्री सुनिल जी की बात कराई तो सुनिल जी ने पहले कॅम्पलेक्श के पैसे देने की कहते हुये कॅालोनी के पैसे बाद में देने की कही, तब मैंने ईओ साहब को कॅालोनी एवं कॅम्पलेक्श के लिये पैसे एक जगह ही करने की कही, तो श्री सुनिल जी ने कहा कि कॅालोनी के पैसे आपको ईओ साहब बता देंगे" तत्पश्चात श्री मूलचन्द हैड कानि. नं. 123 के दोनो हाथो एवं दो प्लास्टीक के डिस्पोजल गिलासो को साफ पानी व साबुन से धुलवाकर गिलासो में साफ पानी भरवाकर थोडा सोडियम कार्बोनेट पाऊडर डलवाकर घोल तैयार करवाया गया तो घोल का रंग रंगहीन रहा। एक गिलास के रंगहीन घोल में आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ के दाहिने हाथ की अंगुलियो को डूबोकर धुलवाया गया तो घोल का रंग हल्का गुलाबी हो गया। दूसरे गिलास के रंगहीन घोल में आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ के बायें हाथ की अंगुलियो को डूबोकर धुलवाया गया तो घोल का रंग गुलाबी हो गया। दोनों हाथों के उक्त धोवन को अलग-अलग दो-दो साफ कांच की शीशीयों को साफ पानी व साबून से धुलवाकर उनमें आधा-आधा भरवाकर शीशीयों को सील बन्द व चिट चस्पा कर दाहिने हाथ के धोवन को मार्क आर-1, आर-2 बायें हाथ के धोवन को मार्क एल-1, एल-2 से सील्ड किया गया। दोनों प्लास्टीक के डिस्पोजल गिलासों को जलवाकर नष्ट करवाया गया। तत्पश्चात मन् उप अधीक्षक पुलिस द्वारा आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना को परिवादी श्री मोहनलाल जाट से प्राप्त रिश्तती राशि पेश करने की हिदायत देने पर आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ ने अपनी पहनी हुई पेन्ट की सामने की दाहिनी जेब से पांच-पांच सौ रूपये के नोटो की थई निकालकर पेश की, जिनको गवाह श्री मनेश कुमार से गिनवाया गया तो कुल 1,25,000 रूपये के नोट पाये गये। उक्त नोटो के नम्बरों का मिलान दोनों गवाहों से पूर्व में बनी फर्द पेशकशी से करवाया गया तो नोटो के नम्बर फर्द पेशकशी में अंकित नम्बरों के अनुरूप पाये गये। बरामद नोटो के नम्बर मौके पर बनाई गई फर्द बरामदगी में अंकित करवाकर बरामद शुदा रिश्तती राशि के नोटों कुल 1,25,000 रूपयों को सफेद कागज पर सीलवाकर सील्ड किया गया। तत्पश्चात आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना को ससम्मान एक लोवर उपलब्ध करवाकर उसकी पहनी हुई पेन्ट उतारकर पेश करने की हिदायत देने पर उसने अपनी पहनी हुई पेन्ट निकालकर पेश की। तत्पश्चात श्री रामनिवास कानि. नं. 485 के दोनों हाथों एवं एक नये प्लास्टीक के डिस्पोजल गिलास को साबून व पानी से धुलवाकर गिलास में पानी व सोडियम कार्बोनेट पाऊडर डलवाकर घोल तैयार करवाया गया तो घोल का रंग रंगहीन रहा। उक्त रंगहीन घोल में आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ की पहनी हुई पेन्ट की सामने की दाहिनी जेब को उलटवाकर धुलवाया गया तो धोवन का रंग गहरा गुलाबी हो गया, जिसे दो साफ कांच की शीशीयों को साबून पानी से धुलवाकर उनमें आधा-आधा डलवाकर भरवाकर शीशीयों को सील बन्द व चिट चस्पा कर मार्क पी-1, पी-2 अंकित किया गया। प्लास्टीक के डिस्पोजल गिलास को जलवाकर नष्ट करवाया गया। तत्पश्चात आरोपी श्री परमवीर ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना की पेन्ट की जेबों की तलाशी लिवाई गई तो कुछ नहीं पाया गया। आरोपी श्री परमवीर ईओ

नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना की उक्त पेन्ट बरंग नीला की सामने की दाहिनी जेब पर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाकर पेन्ट को एक सफेद कपड़े की थैली में सील करवाकर पैकेट पर मार्क "ए" अंकित किया गया। तत्पश्चात आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना को परिवादी श्री मोहनलाल जाट के लक्ष्मीनगर के नाम से काटी गई कॅालोनी के ले-आउट प्लान अनुमोदित करने के संबंध में पूछा तो आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ ने बताया कि " इनकी कॅालोनी की 90-क की कार्यवाही की जा चुकी है, इन्होंने ले-आउट प्लान अनुमोदन करने के लिये फाईल पेश नहीं की है, इस कारण इनकी कॅालोनी का ले-आउट प्लान नहीं बनाया गया है। मौके पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने आरोपी श्री परमवीर ईओ के कथनों का खण्डन करते हुये बताया कि "ये झूठ बोल रहे है, मैने ले-आउट प्लान के लिये नक्शा आदि तैयार करवाकर इनको दे रखे है। तत्पश्चात परिवादी श्री मोहनलाल जाट के लक्ष्मीनगर के नाम से काटी गई कॅालोनी के 90-क एवं ले-आउट प्लान से संबंधित पत्रावली श्री आनन्द कुमार फायरमैन के द्वारा प्राप्त कर पत्रावली का अवलोकन किया गया। उक्त पत्रावली की फोटो प्रति करवाकर श्री आनन्द कुमार फायरमैन से प्रमाणित करवाकर प्रमाणित शुदा पत्रावली के प्रथम एवं अन्तिम पृष्ठ पर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाकर प्रमाणित पत्रावली पृष्ठ संख्या 1 से 52 तक को जप्त किया गया। मूल पत्रावली श्री आनन्द कुमार फायरमैन नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना को सुपुर्द की गई। उक्त कार्यवाही फर्द धुलाई हाथ एवं बरामदगी रिश्वती राशि पृथक से तैयार कर शामिल कार्यवाही की गई। घटना स्थल का निरीक्षण किया जाकर घटना स्थल का नक्शा मौका व हालात मौका तैयार किया जाकर शामिल कार्यवाही किया गया। आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना को अपराध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) में जरिये फर्द हस्ब कायदा गिरफ्तार किया गया। तत्पश्चात समय 6.00 पीएम पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट द्वारा दौराने रिश्वत मांग सत्यापन वार्ता दिनांक 08.07.2024 को आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना से आमने सामने हुई बातचीत को डिजिटल वाईस रिकार्डर के मेमोरी कार्ड में रिकार्ड किया गया था। उक्त डिजिटल वाईस रिकार्डर मय मेमोरी कार्ड को परिवादी एवं स्वतंत्र गवाहान के समक्ष श्रीमती सुनिता एचसी 43 से कार्यालय के लेपटॉप में जुड़वाकर रिकार्डिंग वार्ता का रूपान्तरण एवं हिन्दी रूपान्तरण करवाया गया। डिजिटल वाईसरिकार्डर के मेमोरी कार्ड में रिकार्ड वार्ता में परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने स्वयं की व आरोपी श्री परमवीर ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना की आवाजों की पहचान की। चार खाली सीडी लेकर उक्त वार्ता को लेपटॉप की सहायता से सीडीयों में वार्ता की पृथक-पृथक कॅापी/बर्न कर सीडी तैयार की गई। मांग सत्यापन में प्रयोग किये गये उक्त डिजिटल वाईसरिकार्डर में लगे मेमोरी कार्ड ZOMO 8 एवं दो सीडीयों की लेपटॉप की सहायता से श्रीमती सुनिता एचसी नं. 43 से FTK Imager सॉफ्टवेयर से अलग-अलग हैश वेल्यु निकालकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर शामिल पत्रावली की गई। लेपटॉप से डिजिटल वाईसरिकार्डर हटाकर उसमें से मांग सत्यापन वार्ता का मेमोरी कार्ड ZOMO 8 को निकालकर मेमोरी कार्ड को एक सफेद कागज में लपेटकर एक माचिस की खाली डिबी में रखकर एक सफेद कपड़े की थैली में डालकर सील मोहर कर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर मार्क "बी" अंकित किया गया। तैयार की गई चार सीडीयों में से हैश वेल्यु निकाली गई एक सीडी पर मार्क "बी-1" एवं दूसरी सीडी पर मार्क "बी-2" अंकित कर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाकर पृथक-पृथक प्लास्टिक के कवर में डालकर पृथक-पृथक सफेद कपड़े की थैली में सील किया गया एवं कपड़े की थैली पर मार्क "बी-1" एवं "बी-2" अंकित कर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाये गये। दो सीडी आरोपी एवं अन्वेषण हेतु खुली रखी गई। तत्पश्चात समय 6.30 पीएम पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट द्वारा दौराने रिश्वत लेनदेन दिनांक 18.07.2024 को आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना से आमने सामने हुई बातचीत को डिजिटल वाईस रिकार्डर के मेमोरी कार्ड में रिकार्ड किया गया था। उक्त डिजिटल वाईस रिकार्डर मय मेमोरी कार्ड को परिवादी एवं स्वतंत्र गवाहान के समक्ष श्रीमती सुनिता एचसी नं. 43 से कार्यालय के लेपटॉप में जुड़वाकर रिकार्डिंग वार्ता का रूपान्तरण एवं हिन्दी रूपान्तरण करवाया गया। डिजिटल वाईसरिकार्डर के मेमोरी कार्ड में रिकार्ड वार्ता में परिवादी श्री मोहनलाल जाट ने स्वयं की व आरोपी श्री परमवीर ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना एवं श्री सुनिल अग्रवाल (नगरपालिका अजीतगढ चैयरमैन के पुत्र) एवं श्री हेमराज टाटला की आवाजों की पहचान की। चार खाली सीडी लेकर उक्त वार्ता को लेपटॉप की सहायता से सीडीयों में वार्ता की पृथक-पृथक कॅापी/बर्न कर सीडी तैयार की गई। रिश्वत लेनदेन में प्रयोग किये गये उक्त डिजिटल वाईसरिकार्डर में लगे मेमोरी कार्ड ADATA 32 एवं दो सीडीयों की लेपटॉप की सहायता से श्रीमती सुनिता एचसी नं. 43 से FTK Imager सॉफ्टवेयर से अलग-अलग हैश वेल्यु निकालकर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर शामिल पत्रावली की गई। लेपटॉप से डिजिटल वाईसरिकार्डर हटाकर उसमें से रिश्वत लेनदेन वार्ता का मेमोरी कार्ड ADATA 32 को निकालकर मेमोरी कार्ड को एक सफेद कागज में लपेटकर एक माचिस की खाली डिबी में रखकर एक सफेद कपड़े की थैली में डालकर सील मोहर कर सम्बन्धितों के हस्ताक्षर करवाकर मार्क "सी" अंकित किया गया। तैयार की गई चार सीडीयों में से हैश वेल्यु निकाली गई एक सीडी पर मार्क "सी-1" एवं दूसरी सीडी पर मार्क "सी-2" अंकित कर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाकर पृथक-पृथक प्लास्टिक के कवर में डालकर पृथक-पृथक सफेद कपड़े की थैली में सील किया गया एवं कपड़े की थैली पर मार्क "सी-1" एवं "सी-2" अंकित कर संबंधितों के हस्ताक्षर करवाये गये। दो सीडी आरोपी एवं अन्वेषण हेतु खुली रखी गई। तत्पश्चात समय 9.30 पीएम पर

आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना के विरूद्ध की गई ट्रेप कार्यवाही के दौरान आरोपी ईओ परमवीर की हाथ धुलाई, बरामदगी रिश्चती राशि एवं पेन्ट धुलाई की विडीयो ग्राफी श्री कैलाश चन्द कानि. नं. 386 से उसके मोबाईल से करवाई गयी थी। उक्त विडीयो ग्राफी की रिकार्डिंग को श्री कैलाश चन्द कानि. नं. 386 के मोबाईल को लेपटॉप से जोड़कर डाउनलोड कर ADATA 32 के दो मेमोरी कार्डों में अलग-अलग बर्न/कॉपी कर उक्त मेमोरी कार्डों में से एक मेमोरी कार्ड को एक सफेद कागज में लपेटकर एक माचिस की खाली डिबी में रखकर सील्ड मोहर कर मार्क "डी" अंकित कर सम्बन्धित के हस्ताक्षर करवाकर कब्जा एसीबी लिया गया एवं दूसरे मेमोरी कार्ड को अनुसंधान हेतु खुला रखा गया। मौके की कार्यवाही पूर्ण होने पर परिवादी श्री मोहनलाल जाट को रूखसत किया जाकर मनु उप अधीक्षक पुलिस मय हमराहीयान मय गिरफ्तार शुदा आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ मय जस शुदा वजह सबूत के नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना से रवाना होकर एसीबी चैकी सीकर पहुंचा। प्रकरण से संबंधित वजह सबूत जमा मालखाना करवाया गया। स्वतंत्र गवाहान को रूखसत किया गया। आरोपी परमवीर दुलार के विरूद्ध ट्रेप कार्यवाही के दौरान मनु उप अधीक्षक पुलिस के निर्देशन में बनाई गई रिश्चत मांग सत्यापन वार्ता एवं रिश्चत लेनदेन वार्ता की फर्द रूपान्तरण एवं हिन्दी रूपान्तरण श्रीमती सुनिता एचसी नं. 43 के द्वारा तैयार करवाई गई शेष फर्दात एवं रनिंग नोट श्री राजेन्द्र प्रसाद एचसी नं. 87 के द्वारा कार्यालय के लेपटॉप से टाईपिंग करवाई गई है। की गई कार्यवाही से श्री परमवीर दुलार पुत्र श्री रामकुमार सिंह, जाति जाट, उम्र-56 वर्ष, निवासी हनुमानपुरा, पुलिस थाना मण्डावा जिला झुंझुनूं हाल ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना द्वारा अपने पद का दुरुपयोग करते हुये परिवादी श्री मोहनलाल जाट के द्वारा लक्ष्मीनगर के नाम से काटी गई कॅालोनी का ले-आउट प्लान अनुमोदित करवाने की एवज में परिवादी श्री मोहनलाल जाट से रिश्चत मांग सत्यापन दिनांक 08.07.2024 को दो लाख रूपयों की मांग कर 1,50,000 रूपये लेने पर सहमत होना तथा परिवादी द्वारा रूपयों की व्यवस्था नहीं होने के कारण मांग के अनुशरण में दिनांक 18.07.2024 को परिवादी श्री मोहनलाल जाट से 1,25,000 रूपये बतौर रिश्चत प्राप्त करना पृथम दृष्टया पाया जाता है। आरोपी श्री परमवीर दुलार ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना का उक्त कृत्य अपराध अन्तर्गत धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) की तारीफ में आता है। दौराने रिश्चत लेनदेन के समय मौके पर नगरपालिका अजीतगढ के चैयरमैन श्रीमती सन्तोष देवी के पुत्र श्री सुनिल अग्रवाल द्वारा आरोपी श्री मोहनलाल दुलार की मौजूदगी में परिवादी श्री मोहनलाल जाट से उसके पार्टनर श्री गोपाल टाटला से जरिये मोबाईल फोन वार्ता कर उसके द्वारा कस्बा अजीतगढ में बनाये गये कॅाम्पलेक्श के लिये 5 लाख रूपये की कहते हुये परिवादी श्री मोहनलाल जाट को कॅाम्पलेक्श के रिश्चत के रूपये देने के बाद कॅालोनी के रूपये देने की बात कहना पृथम दृष्टया पाया गया है। उक्त श्री सुनिल अग्रवाल की भूमिका की स्थिति अन्वेषण के दौरान स्पष्ट की जावेगी। अतः उक्त आरोपी श्री परमवीर दुलार पुत्र श्री रामकुमार सिंह, जाति जाट, उम्र-56 वर्ष, निवासी हनुमानपुरा, पुलिस थाना मण्डावा जिला झुंझुनूं तत्कालीन ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना के विरूद्ध अपराध अन्तर्गत धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) में बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट तैयार कर वास्ते क्रमांकन हेतु सीपीएस, एसीबी, जयपुर को प्रेषित है। (रवीन्द्र सिंह) उप अधीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सीकर----- कार्यवाही पुलिस..... प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त टाईप शुदा बिना नम्बरी प्रथम सूचना रिपोर्ट श्री रविन्द्र सिंह, उप अधीक्षक पुलिस भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सीकर ने प्रेषित की है। मजमून रिपोर्ट से जुर्म अन्तर्गत धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (यथा संशोधित 2018) में आरोपी श्री परमवीर दुलार पुत्र श्री रामकुमार सिंह, उम्र-56 वर्ष, निवासी हनुमानपुरा, पुलिस थाना मण्डावा जिला झुंझुनूं तत्कालीन ईओ, नगरपालिका अजीतगढ जिला नीमकाथाना के विरूद्ध पंजीबद्ध कर प्रथम सूचना रिपोर्ट की प्रतियों नियमानुसार जारी की गई। अनुसंधान अधिकारी श्री सुरेश चन्द पुलिस निरीक्षक भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, सीकर को मनोनीत किया गया। उक्त की रोजनामचा आम रपट 975 पर अंकित है। (विशनाराम) पुलिस अधीक्षक-प्रशासन, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राज., जयपुर क्रमांक 764-67 दिनांक 19.07.2024 प्रतिलिपि: सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। 1 विशिष्ट न्यायाधीश एवं सैशन न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, जयपुर द्वितीय। 2 शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर। 3 पुलिस अधीक्षक-प्रशासन, मुख्यालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राज. जयपुर 5 अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो सीकर। पुलिस अधीक्षक-प्रशासन, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राज., जयपुर

13. Action taken : Since the above information reveals commission of offence(s) u/s as mentioned at Item No. 2.

(की गई कार्यवाही: चूंकि उपरोक्त जानकारी से पता चलता है कि अपराध करने का तरीका मद सं.2 में उल्लेख धारा के तहत है):

(1) Registered the case and took up the investigation (प्रकरण दर्ज किया गया और जाँच के लिए लिया गया):

or (या)

(2) Directed (Name of I.O.):

(जाँच अधिकारी का नाम):

Suresh Chand

Rank

(पद):

निरीक्षक

No(सं.):

to take up the Investigation (को जाँच अपने पास में लेने के लिए निर्देश दिया गया) or(या)

(3) Refused investigation due to

(जाँच के लिए):

or (के कारण इंकार किया, या)

(4) Transferred to P.S.(थाना):

District (जिला):

on point of jurisdiction (को क्षेत्राधिकार के कारण हस्तांतरित) .

F.I.R.read over to the complainant/informant,admitted to be correctly recorded and a copy given to the complainant/informant free of cost.

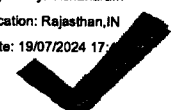
(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता को प्राथमिकी पढ़ कर सुनाई गई, सही दर्ज हुई माना और एक प्रति नि:शुल्क शिकायतकर्ता को दी गई।)

R.O.A.C.(आर.ओ.ए.सी.)

14. Signature/Thumb impression of the complainant / informant
(शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता के हस्ताक्षर / अंगूठे का निशान):

Signature of Officer in charge, Police Station
(थाना प्रभारी के हस्ताक्षर)

Signed by: Vishanaram
Location: Rajasthan,IN
Date: 19/07/2024 17:00



15. Date and time of dispatch to the court
(अदालत में प्रेषण की दिनांक और समय):

Name(नाम): Vishanaram

Rank (पद): SP (Superintendent of Police)

No(सं.):

Attachment to Item 7 of First Information Report (प्रथम सूचना रिपोर्ट के मद 7 संलग्नक):

Physical features, deformities and other details of the suspect/accused:(If known/seen)
(संदिग्ध / अभियुक्त की शारीरिक विशेषताएँ, विकृतियों और अन्य विवरण :(यदि ज्ञात / देखा गया))

| S.No.(क्र.सं.) | Sex (लिंग) | Date/Year of Birth (जन्म तिथि / वर्ष) | Build (बनावट) | Height(cms.) (कद(से.मी)) | Complexion (रंग) | Identification Mark(s) (पहचान चिन्ह) |
|----------------|------------|---|------------------|-----------------------------|-------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 1 | Male | 1968 | | | | |

| Deformities/ Peculiarities (विकृतियों/ विशिष्टताएँ) | Teeth (दोत) | Hair (बाल) | Eyes (आँखें) | Habit(s) (आदतें) | Dress Habit(s) (पहनावा) |
|--|----------------|---------------|-----------------|---------------------|----------------------------|
| 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| | | | | | |

| Language /Dialect (भाषा /बोली) | Place Of(का स्थान) | | | | | Others (अन्य) |
|-----------------------------------|---------------------------------|--------------------------|-----------------|---------------|-------------------------|------------------|
| | Burn Mark (जले हुए का निशान) | Leucoderma (धवल रोग) | Mole (मस्ता) | Scar (घाब) | Tattoo (गूदे हुए का) | |
| 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| | | | | | | |

These fields will be entered only if complainant/informant gives any one or more particulars about the suspect/accused.
(यह क्षेत्र तभी दर्ज किए जाएंगे यदि शिकायतकर्ता / सूचनाकर्ता संदिग्ध / अभियुक्त के बारे में कोई एक या उससे अधिक जानकारी देता है।)